AUTHORITY®

Sulfentrazone 39.6% w/w SC
Herbicide
(FOR INDIGENOUS MANUFACTURE AND USE)

Sulfentrazone 39.6% w/w SC is a broad spectrum, selective, pre-emergence herbicide belonging to triazolinone class for the control of broad leaf weeds, sedges and grasses in soybean crop.

Chemical Composition :

Name	:Composition (%w/w)
Sulfentrazone active ingredient	39.60
Polyethanoxy Ether Phosphate salt	8.00
Polyoxy ethylene Ethanoxy ether	2.00
Propylene glycol	10.00
Dimethyl polysiloxane	0.15
Xanthan Gum	0.16
Demineralised Water	QS
Total	100.0

Recommendation for use : Sulfentrazone 39.6% w/w SC should be used as a pre-emergence application for the control of following weeds in Soybean crop.

Crop	Common name of weeds	Dosage/Hectare			Waiting Period in Days (Interval between last spray & Harvest)
		a.i. (g)	Formulation (ml)	Dillution in water (L)	
Soybean	Acalypha sp., Commelina sp., Digera sp., Cyperus sp., Echinocloa sp., Brachiaria sp., Dinebra sp.,	360	750	500	88

Direction for use: Measure the required quantity of the product and mix well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified with thorough agitation. For high volume application, use knapsack sprayer with flat fan nozzle.

Application : The herbicide should ONLY be applied as a pre-emergence spray at 0 to 3 days after sowing. For best results ensure a uniform application of the spray solution over the area to be treated.

Precautions : 1. Use only knapsack sprayer for application. 2. Do not broadcast or do not apply as a sand mix application. 3. Do not use cooking utensils for preparing spray solution. 4. Use a stick for stirring the spray solution. 5. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. 6. Also avoid inhalation and contact with eyes. 7. Wear protective clothing gloves, mask, goggles and boots while spraying and do not expose yourself to spray drift. 8. Do not blow nozzles with mouth. 9. Do not eat, drink or smoke while handling or applying the product. 10. Do not store unused solution. Clean sprayer, buckets and other utensils with water daily after use. 11. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. 12. Also wash the contaminated clothes. 13. Do not contaminate streams, ponds, waterways etc by discharging left over spray materials into them or by cleaning sprayers, contaminated buckets etc. in them. 14. In case of any sign of poisoning, immediately consult the doctor.

Spray Equipment & Tank clean up : Thoroughly clean all mixing and spray equipment immediately following application by rinsing outside, inside of the tanks with clean water. Drain tank completely. Agitate for 15 minutes after adding water to fill tank completely and drain the tank. Again rinse with clean water and drain. Collect washing. Tank washings should be disposed in a safe manner to prevent environment/water contamination.

Symptoms of poisoning : The symptoms of human poisoning by Sulfentrazone are not known.

First aid measures : If ingested : If patient conscious and alert, rinse the mouth with water and give one to two glass of water to drink to patient. Do not give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor immediately. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician. **If inhaled :** Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If the patient is not breathing or breathing with difficulty, give artificial respiration, preferably mouth to mouth breathing, consult a physician. **In case of Eye contact :** Wash the eye with normal and clean water at least for 15-20 minutes. If irritation or redness or photophobia persists, consult an eye specialist. **In case of skin contact :** Wash thoroughly the affected part of body, with soap and plenty of water including hairs and under fingernails. If pain or redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be separated and thoroughly washed with soap and water separately before use.

Antidote : No specific antidote available. Treat symptomatically.

Conditions to be specified for storage of herbicides : 1. The package containing herbicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicides. 2. The rooms or premises means for storing herbicides shall be well built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension to prevent environmental contamination with vapour of herbicides.

Disposal of used packages, surplus, materials and washings of herbicides : 1. It shall be the duty of manufacturers, formulators of herbicides and operators to dispose packages or surplus materials and washing in a safe manners so as to prevent environmental or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. The packages shall be broken and buried away from habitation.

Caution : "This product can contaminate surface water and can leach through soil into ground water."

Manufactured and Marketed by : FMC India Private Limited, TCG Financial Centre, 2nd Floor, C-53, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Bandra Suburban, Mumbai – 400098, Maharashtra, India. Factory : Survey No. 216/1 & 216/2, Village and Post : Chandrapura, Tal. Halol , Dist. Panchmahal- 389 350, Gujarat.

अथॉरिटी®

सल्फेन्ट्राजोन ३९.६% भार/भार एस सी
खरपतवारनाशक
(स्वदेशी उत्पादन और उपयोग के लिए)

सल्फेन्ट्राजोन ३९.६% भार/भार एस सी एक व्यापक रूप, चूनिंदा खरपतवार उगने से पूर्व, ट्राऐजोलीनोन वर्ग से संबन्धित खरपतवारनाशक है जिसका उपयोग चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों, सेजस और घास के नियंत्रण के लिए सोयाबीन की फसल में किया जाता है।

रासायनिक संघटन :

नाम	: %भार/भार
सल्फेन्ट्राजोन सक्रिय तत्व	३९.६०
पोलीईथेनोक्सी ईथर फोसफेट साल्ट	८.००
पोलीओक्सी ईथाइलीन ईथेनोक्सी ईथर	२.००
प्रोपाईलीन ग्लाईकोल	१०.००
डाईमिथाइल पोलीसिलोक्सेन	०.१५
ज़ेन्थेन गम	०.१६
डीमिनरालाईज्ड वाटर	मात्रानुसार
कुल	१००.००

उपयोग के लिए सिफारिश : सल्फेन्ट्राजोन ३९.६% भार/भार एस सी का उपयोग खरपतवार उगने से पूर्व सोयाबीन की फसल में निम्नलिखित खरपतवारों के नियंत्रण के लिए किया जाना चाहिए।

उपयोग:

फसल	खरपतवारों के सामान्य नाम	प्रति हेक्टअर मात्रा			प्रतिक्षा अवधि (अंतिम छिड़काव तथा फसल काटने के बिच अंतराल) (दिनों में)
		स.तत्व. (ग्रा.)	संरचना (मिली.)	पानी की मात्रा (लीटर)	
सोयाबीन	ऐकालिपा, कनकौआ, केब घास, मौथा, सवांक, पारा घास, खारीयु	३६०	७५०	५००	८८

उपयोग के लिए निर्देश : खरपतवारनाशक की आवश्यक मात्रा लीजिये और इसे थोड़े से पानी के साथ अच्छी तरह मिलाइये। फिर इसमें शेष पानी अच्छी तरह हिलाते हुए मिलाईये। उच्च आयतन उपयोग के लिए फ्लैट फैन नोज़ल के साथ नैपसेक स्प्रेयर का उपयोग करें।

उपयोग : खरपतवारनाशक का उपयोग केवल खरपतवार उगने से पूर्व, बुआई के बाद ० से ३ दिन पर करें। अच्छे परिणाम के लिए पूरे क्षेत्र में एकसमान छिड़काव करें।

सावधानियां : १. छिड़काव के लिए केवल नैपसेक स्प्रेयर का उपयोग करें। २. इसका बुरकाव न करें और न ही इसे रेत मिश्रण ऐप्लीकेशन की तरह उपयोग करें। ३. स्प्रे सोल्युशन बनाने के लिए खाद्य पदार्थ के बर्तनों का उपयोग न करें। ४. स्प्रे सोल्युशन हिलाने के लिए छड़ी का प्रयोग करें। ५. त्वचा से संपर्क बचाने के लिए हाथों में दस्ताने पहनें। ६. खरपतवारनाशक को सूंघने से बचें तथा आखों को इसके संपर्क से बचाएं। ७. छिड़काव करते समय सुरक्षित वस्त्र, दस्ताने, मास्क, गोगल्स और बूट पहनें और छिड़काव की फुहार के सामने न आएं। ८. नोजल्स में मुंह से फूंक न मारे। ९. खरपतवारनाशक का रख–रखाव या उपयोग करते समय खाना–पीना या धूम्रपान न करें। १०. बचे हुऐ सोल्युशन का संग्रहण न करें। खरपतवारनाशक के छिड़काव के बाद प्रतिदिन स्प्रेयर और बर्तनों (बाल्टियों) को अच्छी तरह से धोंए। ११. हाथों को साबुन तथा खुले पानी से धोएं और छिड़काव के बाद कपड़े बदल लें। १२. दूषित वस्त्रों को भी धो लें। १३. बची हुई स्प्रे सामग्री को झरनों, तालाबों, नहरों आदि में बहाकर या धिड़काव यंत्रों, दूषित बाल्टियों आदि को उनमें धोकर उनको दूषित मत कीजिए। १४. विष के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लें।

छिड़काव यंत्र व टैंक की सफाई : छिड़काव के उपरान्त, सभी छिड़काव यंत्रों व घोलने के टैंक को अंदर व बाहर से साफ पानी से तुरंत साफ करें एवं धोवन को पूरी तरह से निकाल दे। टैंक को पुरा भरें फिर १५ मिनट तक खंगालें और खाली करें। फिर से साफ पानी से धोयें। सारी धोवन को एकत्र करें। सावधानी से छिड़काव यंत्र व घोलने के टैंक आदि के धोवन का निपटारा करें। जिससे पर्यावरण व जल का प्रदूषण न हो।

विष के लक्षण : सल्फेन्ट्राजोन से मानव विषाक्तता के लक्षण ज्ञात नही हैं।

प्राथमिक चिकित्सा : निगले जाने पर : यदि रोगी सचेत हो तो पानी से कुल्ला कराएं और उसे एक से दो गिलास पानी पीने को दें। बेहोश व्यक्ति को मुंह द्वारा कुछ भी न दें। बिना चिकित्सक को दिखाऐ, उल्टी न कराएं। चिकित्सक को तुरंत बुलाएं। **श्वास द्वारा अंदर जाने पर :** रोगी को ताजी हवा में लें जायें। यदि श्वास लेने में परेशानी हो तो कृत्रिम श्वास दें जिसमें मुंह से मुंह द्वारा सांस देना शामिल हैं। तुरंत डॉक्टर को बुलाएं। **आंखें दूषित होने पर :** आंखों को साधारण और स्वच्छ पानी से कम से कम १५–२० मिनट तक धोएं। यदि आंखें लाल रहे और खुजली जारी रहें, तो तुरंत नेत्र विशेषज्ञ/ डॉक्टर की सलाह लें। **त्वचा से संपर्क होने पर :** दूषित कपड़ें बदल लें और त्वचा, बालो और नखुनो को खूब सारे साबुन और पानी से धोएं। यदि खुजली, दर्द या त्वचा का लाल होना जारी रहे तो चिकित्सक से सलाह ले। दूषित कपड़ों को पुन: उपयोग से पहले धो लें।

विषनाशक : कोई विशिष्ट विषनाशक नही है। लक्षणानुसार ईलाज करें।

संग्रहण : १. खरपतवारनाशक रखे हुए डिब्बों/ पैकेजस को अलग कमरों या जगहों में उन कमरों या जगहों जिनमें अन्य वस्तुएं रखी जाती हैं, उनसे दूर रखना चाहिए या अलग अलमारियों में ताला–चाबी लगाकर खरपतवारनाशक की प्रमाण व प्रकार के हिसाब से रखें। २. जिस कमरे या अलमारी में खरपतवारनाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा, प्रकाशमय, हवादार तथा पर्याप्त आकार का होना चाहिए जिससे खरपतवारनाशक के भाप से वातावरण प्रदूषित होने का खतरा न रहे।

उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेजस, बचे हुए खरपतवारनाशक तथा साधनों के धोवन का निपटारा: १. यह खरपतवारनाशक निर्माता तथा उपयोगकर्ता का कर्तव्य हैं कि वह डिब्बों/पैकेजस या बची हुई खरपतवारनाशक तथा साधनों के धोवन का निपटारा सुरक्षित ढंग से करे जिससे वातावरण या पानी प्रदूषित न हो । २. उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेजस को बाहर न फेंके जिससे उनका दुबारा प्रयोग न हो । ३. उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेजस को तोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ दें।

सावधानी : यह उत्पादन जमीन के सतह पानी को दूषित कर सकता और मिट्टी के माध्यम से जमीन के अंदर के पानी को दूषित कर सकता हैं।

निर्माता एवं विपणनकर्ता: एफएमसी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ री मंजिल, सी-५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत.फैक्टरी : सर्वे नं.२१६/१ और २१६/२, गांव और पोस्ट : चंद्रपुरा, तालूका- हलोल, डिस्ट. पंचमहल- ३८९३५०, गुजरात.

ॲथोरिटी

सल्फेन्ट्राझोन ३९.६% व/व एससी
तणनाशक
(स्वदेशी उत्पादन आणि वापरासाठी)

सल्फेन्ट्राझोन ३९.६% व/व एससी एक व्यापक प्रभावी निवडक, तण उगवण्यापूर्वीचे, ट्रायजोलीनॉन वर्गाचे संबंधित तणनाशक आहे, ज्याचा वापर रूंद पानाचे तण, सेजेस आणि गवत वर्गियच्या नियंत्रणासाठी सोयाबीन पीकात शिफारस केले आहे.

रासायनिक संरचना :

नाव	: संरचना (%व/व)
सल्फेन्ट्राझोन सक्रिय तत्व	३९.६०
पोलीईथोनोक्सी इथर फॉस्फेट सॉल्ट	८.००
पॉलीऑक्सि ईथाइलीन ईथेनोक्सि इथर	२.००
प्रोपाइलीन ग्लाइकॉल	१०.००
डाइमिथेल पॉलीसिलोक्सान	०.१५
झॅन्थम गम	०.१६
डीमिनरलाइज्ड वॉटर	पुरेसे प्रमाण
एकूण	१००.०

वापरासाठी शिफारस : सल्फेन्ट्राझोन ३९.६% व/व एससी चा वापर तण उगवण्यापूर्वी सोयाबीन पिकात खालील तणांच्या नियंत्रणासाठी केले पाहीजे.

पिक	नियंत्रीत होणारे तण	प्रमाण/हेक्ट			वाट पाहण्याचा कालावधी दिवस (शेवटची फवारणी ते कापणी मधिल अंतर)
		स.त. (ग्रॅ)	संरचना (मिलि)	सौम्य करण्या साठी पाणी (लि)	
सोयाबीन	(एकालिफा स्पी., कॉमलिना स्पी., डायजीरा स्पी., सायप्रस स्पी., इकीनोक्लोआ स्पी., ब्राचीअरिया स्पी., डीनिब्रा स्पी.)	३६०	७५०	५००	८८

वापरासंबंधी सूचना: आवश्यक असेल तेवढे तणनाशक मोजून घ्या आणि थोड्या पाण्यात चांगले ढवळून घ्या. सूचनेप्रमाणे बाकीचे पाणी नंतर घाला आणि चांगले ढवळून काढा. मोठ्या प्रमाणावरील फवारणीसाठी फ्लॅट फेन किंवा फ्लड जेट तोटी असलेला नॅपसॅक स्प्रेअर वापरा.

उपयोग : तणनाशकाचा वापर फक्त तण उगवण्यापूर्वी, पेरणी नंतर ० ते ३ दिवसांनी करावा. उत्तम परिणामासाठी संपूर्ण क्षेत्रात एकसमान फवारणी करावी.

खबरदारी : १. फवारणी साठी फक्त नॅपसॅक स्प्रेयरचाच वापर करा. २. ह्याची धुरळणी करू नये वा हे रेती मिश्रण ॲप्लीकेशनच्या प्रकारात वापरू नये. ३.फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नयेत.४ .फवारणीचे द्रावण ढवळण्यासाठी काठीचा वापर करावा. ५. त्वचेशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोज्यांचा वापर करावा. ६. तसेच श्वासावाटे हुंगणे आणि डोळ्यांशी संपर्क टाळावा. ७. फवारणी करताना मुखवटा, गॉगल्स, बूट, असा संरक्षक पेहराव करावा आणि फवारणीचे तुशार अंगावर घेऊ नये. ८. नोझल्स तोंडाने फुंकू नये. ९. उत्पादनाची हाताळणी किंवा फवारणी करताना खाऊ पिऊ, चघळू किंवा धूम्रपान करु नये. १०. राहीलेल्या द्रावणाची साठवण करू नका. फवारणी यंत्रे, बादल्या व इतर भांडी काम झाल्यावर दररोज पाण्याने स्वच्छ करावीत. ११. हात साबण व भरपूर पाण्याने धुवा व काम झाल्यावर कपडे बदला. १२. संसर्ग झालेले कपडेही धुवावेत. १३. झरे, डबकी, नद्यांमध्ये उरलेले फवारणीचे द्रावण टाकून किंवा यंत्रे भांडी बादल्या वगैरे त्यामध्ये धुवून पाणी प्रदूषित करु नये. १४. विषबाधेची कोणतीही चिन्हे आढळल्यास ताबडतोब डॉक्टरांचा सल्ला घ्या.

फवारणी उपकरण व टाकीची सफाई: फवारणी नंतर सर्व फवारणी यंत्रे आणि फवारणी द्रावण बनविण्याच्या टाकीला आतून व बाहेरुन पाण्याने त्वरित साफ करावे व धुण्याचे पाणी काढून टाकावे. टाकीला पूर्ण भरा पुन्हा १५ मिनिट साफ करा. नंतर स्वच्छ पाण्याने धुवा. सर्व धुण्याचे पाणी एकत्र करा. काळजीपूर्वक उपकरण धुतलेल्या पाण्याची विल्हेवाट लावा जेणे करुन पर्यावरण व जलप्रदुषण होणार नाही.

विषबाधेची लक्षणे : सल्फेन्ट्राझोन नी मनुष्य विषबाधेची लक्षण नोंद नाही.

प्रथमोपचार: जर गिळले गेल्यास: व्यक्ती शुध्दीवर असेल तर,पाण्याने तोंड स्वच्छ धुवा आणि १ वा २ ग्लास पाणी पिण्यास द्या.व्यक्ती जर बेशुध्द असेल तर तोंडाद्वारे काहीही देवू नये. त्वरित डॉक्टरला बोलवा. जोपर्यंत उपस्थित चिकित्सका द्वारे उल्टी करण्यास सांगितले जात नाही तो पर्यंत उल्टी करू नये. **जर श्वासाद्वारे आत गेल्यास:** रूग्णास मोकळ्या हवेत आणा आणि शरीर तापमानावर लक्ष ठेवा. जर रूग्ण श्वास घेत नसेल वा श्वास घेण्यास त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन द्या, शक्यतो तोंडाने तोंडास श्वास द्या. चिकित्सकाचा सल्ला घ्या. **जर डोळ्यांशी संपर्क झालास:** डोळे भरपूर पाण्याने जवळ–जवळ १५ मिनिटे स्वच्छ धुवा, जर वेदना, जळजळ सहन होत नसेल तर नेत्र चिकित्सकाचा सल्ला घ्या. **जर त्वचेशी संपर्क झाल्यास :** शरीराशी संपर्क झालेला भाग साबणाने व भरपूर पाण्याने धुवा, यासह केस व नखांची सुद्धा स्वच्छता राखावी, जर वेदना, लालसरपणा वा जळजळ कायम राहील्यास डॉक्टरचा सल्ला घ्या. सर्व दूषित झालेले कपडे वेगवेगळे आणि वापर करण्यापूर्वी व्यवस्थित पणे साबण व पाण्याने वेगळे धुतले पाहिजेत.

औषधोपचार: कोणताही खास उपचार ज्ञात नाही. लक्षणानुसार उपचार करा.

तणनाशकाच्या साठवणीसाठी सुचविलेल्या अटी: १. तणनाशकाचे डब्बें वेगळ्या खोलीत किंवा आवारात ठेवावे. जीथे इतर गरजेच्या वस्तु ठेवल्या जात नाही. कपाटात साठवतांनी तणनाशकाच्या प्रकार आणि अकारमानानुसार सुद्धा हीच काळजी घेणे आवश्यक आहे. २. ज्या खोलीत वा जागेत तणनाशकाची साठवण करायची असेल ती मजबूत बांधणीची, कोरडी, भरपूर उजेडाची आणि हवा खेळती असणारी आणि पुरेशी लांब–रूंद असावी त्यामुळे तणनाशकाच्या वाफांनी होणारे प्रदुषण टळेल.

वापरलेली पॅकेजिस, उरलेले द्रावण, फवारणीचे व तणनाशकाचे पाणी यांची विल्हेवाट: १. किटकनाशक उत्पादकाचे आणि हाताळणाऱ्यांचे कर्तव्य आहे की पॅकेजिस किंवा उरलेले द्रावण किंवा फवारणीची उपकरणे धुतलेले पाणी यांची विल्हेवाट पर्यावरण किंवा पाणी प्रदुषित होणार नाही अशा सुरक्षित पद्धतीने लावावी. २. पुनर्वापर टाळण्यासाठी रिकामी पॅकेजिस उघड्यावर टाकू नयेत. ३. रिकामी पॅकेजिस मोडून–तोडून वस्तीपासून दूर जागी जमिनीत खोल पुरावेत.

खबरदारी : हे उत्पादन जमीनी वरील पृष्ठभागाचे पाणी दुषित करू शकते आणि मातीच्या माध्यमाने जमीनी मधिल पाणि दूषित होवू शकते.

निर्माता आणि विक्रेता: एफएमसी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ रा माळा, सी-५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत.फॅक्टरी : सर्वे नं. २१६/१-२१६/२, गाव आणि पोस्ट : चंद्रापुर, तालूका: हलोल, जिल्हा: पंचमहल- ३८९३५०,गुजरात.

ઓથોરિટી®

સલ્ફેન્ટ્રેઝોન ૩૯.૬% વ/વ એસસી
નીંદણનાશક
(સ્વદેશી ઉત્પાદકો અને વપરાશ માટે)

સલ્ફેન્ટ્રેઝોન ૩૯.૬% વ/વ એસસી એક વિસ્તૃત વર્ણક્રમનું સીલેક્ટિવ, અંકુરણ પહેલાં વાપરવાનું નીંદણનાશક છે, જે ટ્રાયાઝોલિનોન વર્ગનું છે, અને તે સોયાબીનના પાકમાં પહોળા પાનનાં નીંદણો, ડાભ અને ઘાસના નિયંત્રણ માટે વાપરવામાં આવે છે.

રાસાયણિક સંયોજન :

નામ :	સંયોજન (% વ/વ)
સલ્ફેન્ટ્રેઝોન સક્રિય ઘટક :	૩૬.૯૦
પોલીઈથાયલીન ઈથર ફોસ્ફેટ ક્ષાર :	૮.૦૦
પોલીઓક્સી ઈથાયલીન ઈથાનોક્સી ઈથર	૨.૦૦
પ્રોપીલીન ગ્લાયકોલ :	૧૦.૦૦
ડાયમિથાઈલ પોલીસિલોક્સાના :	૦.૧૫
ઝેન્થન ગમ :	૦.૧૬
ડીમિનરલાઈઝ્ડ પાણી :	ક્યુએસ
કુલ :	૧૦૦.૦૦

વપરાશ માટે ભલામણ : સોયાબીનના પાકમાં નિમ્નલિખિત નીંદણોના નિયંત્રણ માટે અંકુરણ-પૂર્વ છંટકાવ માટે સલ્ફેન્ટ્રેઝોન ૩૯.૬% વ/વ એસસીનો ઉપયોગ થવો જોઈએ.

પાક	નિયંત્રિત નીંદામણો	માત્રા/હેક્ટર			છેલ્લા છંટકાવ અને લણણી વચ્ચેનો પ્રતીક્ષા સમય
		સ.ઘ. (ગ્રા.)	ફોર્મ્યુલેશન (મિલી)	ભેળવવા માટે પાણી (લી)	
સોયાબીન	કાલીફા એસપી, કોમેલિના એસપી, ડાયજેરા એસપી, સાયપેરસ એસપી, એકિનોક્લોઆ એસપી, બ્રેચ્એરિઆ એસપી, ડાયનેબ્રા એસપી.)	૩૬૦	૭૫૦	૫૦૦	૮૮

વપરાશ માટેના સૂચનો: ઉત્પાદનની જોઈતી માત્રા લઈ થોડા પાણીમાં બરોબર ભેળવો. પાણીની બાકી માત્રા નિર્દિષ્ટ કરાયા મુજબ ઉમેરી બરોબર હલાવો. ઉચ્ચ ક્ષમતાના વપરાશ માટે ફ્લેટ ફેન/ફ્લડ જેટ નોઝલ લગાડેલા નૅપસૅક સ્પ્રેયર્સ વાપરો.

ઉપયોગ : વાવણી પછી ૦થી ૩ દિવસ બાદ અંકુરણ-પૂર્વ છંટકાવ તરીકે નીંદણનાશકનો ઉપયોગ કરવો. શ્રેષ્ઠ પરિણામો માટે ઉપચાર કરવાના ક્ષેત્ર પર એકસમાન છંટકાવ થાય તેની ખાતરી રાખવી.

સાવચેતીઓ : ૧.) છંટકાવ માટે કેવળ નેપસેક સ્પ્રેયરનો જ ઉપયોગ કરવો. ૨) હવામાં ન ફેલાવવું કે રેતી સાથે ભેળવીને પ્રસરાવવું નહીં. ૩) છંટકાવ માટેનું દ્રાવણ તૈયાર કરવા માટે રસોઈના વાસણોનો ઉપયોગ ન કરો. ૪) છંટકાવ માટેના દ્રાવણને હલાવવા માટે નાની લાકડીનો ઉપયોગ કરો. ૫) ત્વચા સાથેનો સંપર્ક ટાળવા માટે હાથમોજાં પહેરો. ૬) શ્વાસમાં અને આંખોમાં ન જાય એની ખાસ કાળજી લો. ૭) સુરક્ષા માટે જરૂરી પહેરવેશ, માસ્ક, ચશ્મા, બુટ વગેરેનો છંટકાવ દરમિયાન ઉપયોગ કરો અને છંટકાવની દિશામાં ખુલ્લા થઈને ન ફરો. પવનની જ દિશામાં છંટકાવ કરો. ૮) નોઝલને મુખથી સાફ ન કરો. ૯) છંટકાવ કરતી વખતે અથવા દ્રાવણ તૈયાર કરતી વખતે ખાવા, પીવાનું, ચાવવાનું અને ધુમ્રપાન ટાળો. ૧૦) ન વપરાયેલા દ્રાવણનો સંગ્રહ ન કરો. છંટકાવ સાધન, બાલટી અને બાકી વાસણ કામ પુર થયાં પછી દરરોજ પાણીથી ધોઈ નાખો. ૧૧) કામ પુરું થયાં પછી હાથને સાબુથી ઘસી ઘસીને પુષ્કળ પાણીથી ધોઈ નાખો તથા કપડાં બદલી લો. ૧૨) તેમ જ દુષિત થયેલા કપડાને પણ ધોઈ નાખો. ૧૩) છંટકાવના બાકી બચેલા દ્રાવણને અથવા સાફ સફાઈ કરેલ દ્રાવણના વાસણોના ધોવાણને અથવા સ્પ્રેયર અને બકેટ્સને સાફ કર્યા બાદ એના ધોવાણને ઝરણા, તળાવ કે પાણી વહેવાના માર્ગોમાં નાખી એને દુષિત ન કરો. ૧૪) ઝેર ચઢયાંના લક્ષણો જણાય તો તરત જ ડૉક્ટરનો સંપર્ક કરો.

છંટકાવનાં સાધન અને ટાંકીની સફાઈ : ટાંકીની બહારની, અંદરની બાજુ ચોખ્ખા પાણીથી ધોઈ, સાફ કરીને, ઉપયોગ કર્યા પછી તરત સઘળાં મિશ્રણ કરવાનાં અને છંટકાવનાં સાધન સંપૂર્ણપણે ચોખ્ખાં કરીનાં ખવાં. ટાંકી સંપૂર્ણ ખાલી કરો. ટાંકી સંપૂર્ણ ભરવા માટે પાણી ઉમેર્યા પછી ૧૫ મિનિટ સુધી હલાવો અને ટાંકી ખાલી કરો. ફરીવાર, ચોખ્ખા પાણીથી ધોઈ, સાફ કરો અને ખાલી કરો. ધોવણ એકઠું કરો. ટાંકીના ધોવણનો પર્યાવરણ/જળ પ્રદૂષણ રોકવા માટે સલામત રીતમાં નિકાલ કરવો જોઈએ.

ઝેરની અસરનાં લક્ષણો : સલ્ફેન્ટ્રેઝોન દ્વારા માણસોને ઝેરની અસર થવાનાં લક્ષણો વિષે જાણકારી નથી.

પ્રાથમિક સારવાર : જો ગળી જવાયું હોય તો : વ્યક્તિ ભાનમાં હોય અને સતર્ક હોય તો, પાણી વડે મોઢું ધૂઓ અને ૧ અથવા બે ગ્લાસ પાણી પીવા આપો. બેશુધ વ્યક્તિને ક્યારેય કંઈપણ મોં વાટે ન આપવું. ડૉક્ટરનો બોલાવો. સારવાર આપનારા ડૉક્ટરની ઈચ્છા ન હોય ત્યાં સુધી ઊલટી કરાવવા પ્રયાસ ન કરવો. **જો શ્વાસમાં આવ્યું હોય તો :** દરદીને તાજી હવામાં ખસેડવો અને તેના શરીરના ઉષ્ણતામાનનું ધ્યાન રાખવું. જો દરદી શ્વાસ ન લેતો હોય અથવા શ્વાસોચ્છવાસ મુશ્કેલીપૂર્વક થતો હોય તો, કૃત્રિમ રીતે શ્વાસોચ્છવાસ આપવો. ચિકિત્સકની સલાહ લેવી. **જો ત્વચાને સ્પર્શ્યું હોય તો :** શરીરના અસરગ્રસ્ત અંગોને, વાળ તથા આંગળીઓના નખની નીચે સહિત, સાબુ અને પુષ્કળ પાણી વડે સાફ કરો. જો પીડા, લાલાશ અથવા બળતરા ચાલુ રહે તો, ડૉક્ટરની સલાહ લેવી. બધાં દૂષિત વસ્ત્રો અલગ પાડવાં અને ઉપયોગમાં લેતાં પહેલાં અલગથી સાબુ અને પાણી વડે સારી રીતે ધોવાં. **જો આંખોમાં પડ્યું હોય તો :** પુષ્કળ પ્રમાણમાં પાણી વડે ઓછામાં ઓછી ૧૫ મિનિટ માટે આંખોને હળવાશપૂર્વક ધોવી. જો પીડા, બળતરા, લાલાશ અથવા ફોટોફોબિયા ચાલુ રહે તો, સ્પેશિયાલિસ્ટની સલાહ લેવી.

ઝેરનું મારણઃ કોઈ ચોક્કસ મારણ ઉપચાર નથી. લક્ષણો મુજબ ઉપચાર કરવો.

નીંદણનાશકોના સંગ્રહ માટે સૂચિત કરવાની શરતો : ૧) નીંદણનાશકો ધરાવતાં પૅકેજીસ બીજી ચીજવસ્તુઓ સંગ્રહવા માટે વપરાતાં ઓરડાઓ અથવા જગ્યાથી દૂર અલગ ઓરડાઓ અથવા જગ્યાઓમાં સંગ્રહવાં અથવા નીંદણનાશકોના જથ્થા અને પ્રકાર ઉપર આધાર રાખીને અલગ કબાટોમાં તાળાં ચાવીમાં બંધ કરીને રાખવાં. ૨) નીંદણનાશકો સંગ્રહવા માટેનાં ઓરડા અથવા જગ્યા સારાં બાંધેલાં, સૂકાં, પ્રકાશમય અને હવાદાર તથા પૂરતી મોકળાશવાળાં હોવાં જોઈએ જેથી નીંદણનાશકોની બાફથી પર્યાવરણ દૂષિત થતું અટકાવી શકાય.

નીંદણનાશકોનાં વપરાયેલાં પૅકેજીસ, વધારાની સામગ્રી તથા ધોવાણોનો નિકાલ : ૧) નીંદણનાશકોના ઉત્પાદકો, તૈયાર કરનારાઓ અને સંચાલકોની એ ફરજ રહેશે કે પૅકેજીસ અથવા વધારાની સામગ્રી અને ધોવાણોનો એવી સલામત રીતમાં નિકાલ કરવામાં આવે જેથી પર્યાવરણનું અથવા જળ પ્રદૂષણ થતું અટકે. ૨) વપરાયેલાં પૅકેજીસ તેમનો ફરીથી ઉપયોગ થતો રોકવા માટે બહાર મૂકવાં નહીં. ૩) પૅકેજીસ ભાંગી નાંખવાં અને વસતિથી દૂર દાટી દેવાં.

સાવધાની : ''આ ધરાતળના પાણીને દૂષિત કરી શકે છે અને માટીમાં થઈને ભૂમિગત જળસ્રોતોને દૂષિત કરી શકે છે.''

ઉત્પાદન તથા વચાણકર્તાઃ એફ એમ સી ઈંડિયા પ્રાઈવેટ લિમિટેડ, ટીસીજી ફાઈનૅન્શિયલ સેંટર, 2 જા માળે, સી -53, બાંદ્રા કુર્લા કોમ્પલેક્સ, બાંદ્રા (પૂર્વ), બાંદ્રા સબર્બન, મુંબઈ - 400098, મહારાષ્ટ્ર, ભારત. ફૅક્ટરી : સર્વે નં. ૨૧૬/૧ અને ૨૧૬/૨, ગામ અને પોસ્ટઃ ચંદ્રાપુર, તાલુકો હલોલ , જિલ્લોઃ પંચમહાલ- ૩૮૯૩૫૦, ગુજરાત.

ਅਥਾਰਿਟੀ

ਸਲਫ਼ੈਂਟ੍ਰਾਜ਼ੋਨ ੩੯.੬% ਵ/ਵ ਐਸਸੀ
ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ
(ਸੁਦੇਸ਼ੀ ਨਿਰਮਾਣ ਅਤੇ ਵਰਤੋਂ ਲਈ)

ਸਲਫ਼ੈਂਟ੍ਰਾਜ਼ੋਨ ੩੯.੬% ਵ/ਵ ਐਸਸੀ ਇਕ ਬਹੁਪੱਖੀ, ਚੋਣਾਤਮਕ, ਉੱਗਣੋ ਪੂਰਬ ਅਸਰ ਕਰਨ ਵਾਲਾ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਹੈ। ਇਹ ਦਵਾ ਟ੍ਰਾਯਾਜ਼ੋਲੀਨੋਨ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ ਅਤੇ ਸੋਇਆਬੀਨ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਚੌੜੇ ਪੱਤੇ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨਾਂ, ਕਾਹੀਆਂ ਤੇ ਘਾਹਾਂ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ :

ਨਾਂ:	: ਸੰਯੋਜਨ (% ਵ/ਵ)
ਸਲਫ਼ੈਂਟ੍ਰਾਜ਼ੋਨ ਕਿਰਿਆਸ਼ੀਲ ਤੱਤ	੩੯.੬੦
ਪੋਲੀਥਾਨੋਕਸੀ ਈਥਰ ਫ਼ਾਸਫ਼ੇਟ ਸਾਲਟ	੮.੦੦
ਪੌਲੀਆਕਸੀ ਏਥੀਲੀਨ ਈਥਾਨੋਕਸੀ ਈਥਰ	੨.੦੦
ਪ੍ਰੋਪੀਲੀਨ ਗਲਾਈਕੋਲ	੧੦.੦੦
ਡੀਮੇਥਾਈਲ ਪੋਲੀਸੀਲੋਕਸੇਨ	੦.੧੫
ਸਾਨਥਮ ਗੰਮ (ਗੂੰਦ)	੦.੧੬
ਡੀਮਿਨਰਲਾਈਜ਼ਡ ਪਾਣੀ	ਕਿਊ.ਐਸ.
ਕੁੱਲ	੧੦੦.੦੦

ਵਰਤਣ ਲਈ ਸੁਝਾਅ : ਸਲਫ਼ੈਂਟ੍ਰਾਜ਼ੋਨ ੩੯.੬% ਵ/ਵ ਐਸਸੀ ਨੂੰ ਸੋਇਆਬੀਨ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਹੇਠਲੇ ਨਦੀਨਾਂ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਫ਼ਸਲ	ਕਾਬੂ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨ	ਮਾ./ਹੈ.			ਆਖ਼ਰੀ ਸਪ੍ਰੇ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤਕ ਉਡੀਕ (ਦਿਨ)
		ਕਿ.ਤ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਫ਼ਾਰਮੂ. (ਮਿਲੀ)	ਘੋਲ ਦਾ ਪਾਣੀ(ਲੀ.)	
ਸੋਇਆਬੀਨ	(ਅਕਾਲੀਫ਼ਾ ਸਪ., ਕਾਉਮੱਕੀ, ਟਾਂਡਲਾ, ਮੋਥਾ, ਸਵਾਂਕ, ਬ੍ਰਾਚੀਆਰਾ ਸਪ., ਡੀਨੇਬਰਾ ਸਪ.,)	੩੬੦	੭੫੦	੫੦੦	੮੮

ਵਰਤੋਂ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤਾਂ: ਨਦੀਨ ਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਲੈਕੇ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਚੰਗੀ ਤਰਹਾਂ ਘੋਲੋ। ਫ਼ੇਰ ਬਾਕੀ ਪਾਣੀ ਮਿਲਾਕੇ ਖ਼ੂਬ ਹਿਲਾਂਦੇ ਹੋਏ ਰਲਾਓ। ਹਾਈ ਵਾਲਿਊਮ ਸਪ੍ਰੇ ਲਈ ਫ਼ਲੈਟ ਫ਼ੈਨ/ਫ਼ਲੱਡ ਜੈਟ ਨੋਜ਼ਲ ਫ਼ਿਟ ਕਿਤਾ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਤੋ।

ਵਰਤੋਂ : ਇਸ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਸਿਰਫ਼ ਉਗੱਣੋ ਪੂਰਬ ਹੀ, ਫ਼ਸਲ ਬੀਜਣ ਤੋਂ ੦–੩ ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਬਿਹਤਰੀਨ ਨਤੀਜਿਆਂ ਲਈ, ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਇਲਾਜ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਸਪ੍ਰੇ ਇਕਸਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਏ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ : ੧. ਵਰਤਣ ਲਈ ਸਿਰਫ਼ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਹੀ ਵਰਤੋ। ੨. ਦਵਾ ਨੂੰ ਨਾ ਤਾਂ ਖਿਲਾਰ ਕੇ ਪਾਓ ਅਤੇ ਨਾਂ ਹੀ ਰੇਤ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਕੇ ਵਰਤੋ। ੩. ਘੋਲ ਬਣਾਣ ਲਈ ਰਸੋਈ ਦੇ ਭਾਂਡੇ ਨਾ ਵਰਤੋ। ੪. ਘੋਲ ਸੋਟੀ ਜਾਂ ਡੰਡੇ ਨਾਲ ਰਲਾਓ। ੫. ਚਮੜੀ ਦੇ ਬਚਾਅ ਲਈ ਦਸਤਾਨੇ ਪਹਿਨੋ। ਸਾਹ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਦਵਾਈ ਦੀ ਹਵਾੜ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਰੱਖੋ। ੬. ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸੁੱਰਖਿਆ ਵਸਤਰ ਪਹਿਨੋ, ੭. ਜਿਵੇਂ ਮੁਖੌਟਾ, ਚਸ਼ਮਾ, ਬੂਟ ਆਦਿ ਅਤੇ ਫੁਹਾਰ ਨੂੰ ਸ਼ਰੀਰ ਉੱਤੇ ਨਾ ਪੈਣ ਦਿਓ। ਨੋਜ਼ਲਾਂ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਨਾਲ ਫੂਕਾਂ ਮਾਰਕੇ ਸਾਫ਼ ਨਾ ਕਰੋ। ੮. ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਖਾਣਾ, ਪੀਣਾ, ਚਬਾਣਾ ਜਾਂ ਧੂਮਰਪਾਨ ਨਾ ਕਰੋ। ੯. ਬਾਕੀ ਬਚਿਆ ਘੋਲ ਸਾਂਭਕੇ ਨਾ ਰੱਖੋ। ੧੦. ਰੋਜ਼ ਕੰਮ ਖ਼ਤਮ ਕਰਕੇ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਬਾਲਟੀਆਂ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਭਾਂਡੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ। ੧੧. ਕੰਮ ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਹੱਥ ਧੋਵੋਅਤੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜੇ ਬਦਲੋ। ੧੨. ਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜੇ ਧੋਵੋ। ੧੩. ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਸੁਟਕੇ ਜਾਂ ਬਾਲਟੀ, ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੀ ਧੁਆਈ ਦਾ ਪਾਣੀ ਸੁਟਕੇ ਨਦੀ, ਨਾਲੇ, ਤਾਲਾਬ ਆਦਿ ਦਾ ਪਾਣੀ ਜ਼ਹਿਰੀਲਾ ਨਾ ਕਰੋ। ੧੪. ਜੇ ਜ਼ਹਿਰ ਦੇ ਲੱਛਣ ਹੋਣ ਤਾਂ ਫੌਰਨ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਸਦੋ।

ਸਪ੍ਰੇ ਟੈਂਕੀ ਦੀ ਸਫ਼ਾਈ: ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਬਾਦ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਬਰਤਨਾਂ ਦੀ ਫੌਰਨ ਸਫ਼ਾਈ ਕਰੋ, ਟੈਂਕ ਅਤੇ ਬਰਤਨ ਅੰਦਰੋਂ–ਬਾਹਰੋਂ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਟੈਂਕੀ ਬਿਲਕੁਲ ਖ਼ਾਲੀ ਕਰੋ। ਫੇਰ ੧੫ ਮਿਨਟ ਖ਼ੂਬ ਹਲਾਓ ਅਤੇ ਟੈਂਕੀ ਪੂਰੀ ਭਰਕੇ ਖ਼ਾਲੀ ਕਰੋ। ਹੁਣ ਫੇਰ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਟੈਂਕੀ ਖੰਗਾਲੋ। ਧੁਆਈ ਦਾ ਪਾਣੀ ਜਮਾ ਕਰਕੇ ਐਸੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਓ ਕਿ ਹਵਾਪਾਣੀ ਵਿਚ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲੇ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੀਆਂ ਨਿਸ਼ਾਨੀਆਂ : ਸਲਫ਼ੈਂਟ੍ਰਾਜ਼ੋਨ ਨਾਲ ਮਨੁੱਖਾਂ ਨੂੰ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਜੋਖਮ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਫੌਰੀ ਇਲਾਜ: ਜੇ ਨਿਗਲਿਆ ਜਾਵੇ: ਜੇ ਵਿਅਕਤੀ ਹੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਚੁਕੰਨਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਕੁਰਲੀ ਕਰਵਾ ਦਿਓ ਅਤੇ ੧ ਜਾਂ ੨ ਗਲਾਸ ਪਾਣੀ ਪੀਣ ਲਈ ਦਿਓ। ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਕਤੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। ਉਦੋਂ ਤਕ ਉਲਟੀ ਨਾ ਕਰਵਾਓ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਲਾਜ ਕਰ ਰਿਹਾ ਡਾਕਟਰ ਨਾ ਚਾਹੇ। **ਜੇ ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ ਅੰਦਰ ਚਲਾ ਜਾਵੇ:** ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਜ਼ੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਦਾ ਖਿਆਲ ਰੱਖੋ। ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਾਹ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ ਜਾਂ ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਬਣਾਵਟੀ ਸਾਹ ਦਿਓ, ਹੋ ਸਕੇ ਤਾਂ ਮੂੰਹ ਤੋਂ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। **ਚਮੜੀ ਤੇ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ:** ਵਾਲਾਂ ਅਤੇ ਉਂਗਲੀਆਂ ਦੇ ਨੌਹਾਂ ਸਮੇਤ ਸਰੀਰ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਭਾਗ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਓ। ਜੇ ਦਰਦ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਜਲਣ ਜਾਰੀ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਸਾਰੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜੇ ਵੱਖ ਕਰ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। **ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ:** ਘੱਟੋ–ਘੱਟ ੧੫ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਪਿਆਰ ਨਾਲ ਕਾਫੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਛਿੱਟੇ ਮਾਰੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਜਲਣ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਚਾਨਣ–ਤ੍ਰਾਸ ਜਾਰੀ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਅੱਖਾਂ ਦੇ ਮਾਹਰ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ : ਲੱਛਣਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਇਲਾਜ ਕਰੋ। ਲੱਛਣਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਲਈ ਖ਼ਾਸ ਹਾਲਤਾਂ: ੧. ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਪੈਕਿਟ ਹੋਰਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਖ਼ਾਸਕਰ ਖਾਣਪੀਣ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਯਾ ਅਹਾਤੇ ਤੋਂ ਦੂਰ, ਵਖਰੇ ਕਮਰੇ ਯਾ ਅਹਾਤੇ ਵਿਚ ਰੱਖੋ ਯਾ ਦਵਾਈ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਅਨੁਸਾਰ ਵਖਰੀ ਅਲਮਾਰੀ ਵਿਚ ਤਾਲਾ ਮਾਰਕੇ ਰੱਖੋ। ੨. ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਯਾ ਅਹਾਤੇ ਪੱਕੇ ਬਣੇ, ਸੁੱਕੇ, ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਾਲੇ ਅਤੇ ਹਵਾਦਾਰ, ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ–ਡੁਲੇ ਹੋਣ ਤਾਂਕਿ ਹਵਾੜ ਨਾਲ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲੇ।

ਖਾਲੀ ਡਬਿਆਂ, ਬਚੀ–ਖੁਰੀ ਦਵਾਈ ਤੇ ਧੁਆਈ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ: ੧. ਉਤਪਾਦਕ, ਨੁਸਖੇਕਾਰ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਵਾਲੇ ਦਾ ਫ਼ਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਖ਼ਾਲੀ ਪੈਕਿਟ ਯਾ ਵਾਧੂ ਘੋਲ ਐਸੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਣ ਕਿ ਹਵਾਪਾਣੀ ਵਿਚ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲੇ। ੨. ਖਾਲੀ ਪੈਕਿਟ ਬਾਹਰ ਨਾ ਛੱਡੋ ਤਾਂਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ। ੩. ਖ਼ਾਲੀ ਪੈਕਿਟ ਤੋੜਕੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦੱਬ ਦਿਓ।

ਚੇਤਾਵਨੀ : ''ਇਹ ਉਤਪਾਦਨ ਸਤਹ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਪਲੀਤ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਜਜ਼ਬ ਹੋ ਕੇ ਜ਼ਮੀਨੀ ਪਾਣੀ ਅੰਦਰ ਦਾਖ਼ਲ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।''

ਨਿਰਮਾਤਾ ਅਤੇ ਵਿਕਰੇਤਾ: ਐਫ਼ਐਮਸੀ ਈਡਿਯਾ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਲਿਮਿਟੇਡ, ਟੀਸੀਜੀ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਿਯਲ ਸੇਂਟਰ, ੨ਰੀ ਮੰਜ਼ਿਲ, ਸੀ–੫੩, ਬਾਂਦਰਾ ਕੁਰਲਾ ਕੰਪਲੈਕਸ, ਬਾਂਦਰਾ(ਪੂ), ਬਾਂਦਰਾ ਸਬਬਰਨ, ਮੁੰਬਈ – ੪੦੦੦੯੮, ਮਹਾਰਾਸ਼ਟ੍ਰ, ਭਾਰਤ.ਫ਼ੈਕਟਰੀ: ਸਰਵੇ ਨੰ. ੨੧੬/੧ –੨੧੬/੨, ਪਿੰਡ ਅਤੇ ਪੋਸਟ : ਚੰਦਰਪੁਰਾ, ਤਾਲੁਕਾ : ਹਲੋਲ, ਜ਼ਿਲਾ : ਪੰਚਮਹਲ–੩੮੯੩੫੦, ਗੁਜਰਾਤ ।

అథారిటీ

సల్ఫెంట్రాజోన్ 39.6% బ/బ ఎస్‌సి
కలుపునాశని
(స్వదేశంలోనే తయారీ మరియు వాడకం కోసమే)

సల్ఫెంట్రాజోన్ 39.6% బ/బ ఎస్‌సి, ఒక విస్తృత వర్ణగల,ఎంపికచేయబడిన, మరియు కలుపుమొక్కలు మొలవకముందే వాటిని అరికట్టగల కలుపునాశని.ఇది ట్రయజోలినాన్ అనే వర్గానికి చెందినదై,సోయాబీన్ పంటనాశించే వెడల్పాటి ఆకులుగల కలుపుమొక్కలను, తుంగజాతి మరియు గడ్డిజాతి కలుపుమొక్కలను ప్రభావవంతంగా అరికడుతుంది.

రసాయనిక మిశ్రమము:

పేరు	: మిశ్రమము(% బ/బ)
సల్ఫెంట్రాజోన్ సక్రియ పదార్థము	39.60
పాలీఎథనాక్సీ ఈథర్ ఫాస్ఫేట్ సాల్ట్	8.00
పాలీఆక్సీ ఎథిలీన్ ఎథనాక్సీ ఈథర్	2.00
ప్రొపిలీన్ గ్లైకోల్	10.00
డైమిథైల్ పాలీసిలాక్జేన్	0.15
గ్జాంతమ్ గమ్	0.16
డిమినిరలైజ్డ్ వాటర్	తయారీకి చాలినంత
మొత్తం	100.0

వాడుటకు సిఫారసులు: సల్ఫెంట్రాజోన్ 39.6% బ/బ ఎస్‌సి ని సోయాబీన్ పంటలో వచ్చే ఈ క్రిందనివ్వబడిన కలుపుమొక్కలను అరికట్టుటకై, అవి మొలవకముందే వాడుటకోసం సిఫారసు చేయబడుతుంది.

పంట	అరికట్టగల కలుపుమొక్కలు	హెక్టారుకు మోతాదు			వేచివుండాల్సిన సమయం (చివరి స్ప్రే నుండి కోతకాలం వరకూ)
		స.ప. (గ్రాముల్లో)	సూత్రీకరణ (మి.లీ)	కరిగించుటకు నీరు (లీటర్లలో)	
సోయాబీన్	(మురిపిండాకు జాతి, అమృతకాడ జాతి, చించలికూర జాతి, నీటితుంగ జాతి, ఊద లేదా దొంగసరి జాతి, గాడిదగడప జాతి, టక్రిగడ్డి జాతి).	360	750	500	88

వాడుటకు సూచనలు: కావల్సినంత పరిమాణంలో ఉత్పాదనను తీసుకొని దానికి కొద్దిగా నీరు పోసి బాగా కలియబెట్టి చిక్కని ద్రావకాన్ని తయారుచేసుకోవాలి. దానికి మిగతా నీటి పరిమాణాన్ని కలిపి బాగా కలియబెట్టి న్యాప్‌స్యాక్ స్ప్రేయర్ ద్వారా హై వాల్యూం వాడకంగావాడాలి.

వాడకము: ఈ కలుపునాశనిని పంట విత్తనాలు విత్తిన 0-3 రోజుల లోపలే కలుపుమొక్కలు మొలవకముందే తప్పక వాడాలి. మంచి ఫలితాల కోసం జల్లుకోదలచిన ఏరియా అంతా బాగా అలుముకుపోయేలా ఏకరీతిలో జల్లుకోవాలి.

ముందు జాగ్రత్తలు : 1. దీన్ని న్యాప్‌స్యాక్ స్ప్రేయర్‌తో మాత్రమే జల్లుకోవాలి. 2. దీన్ని వెదజల్లుకోవడం, లేదా ఇసుకతో కలిపి జల్లుకోవడంలా చేయరాదు. 3. మందును కలుపుటకు వంటపాత్రలను వాడరాదు. 4. పిచికారీ ద్రావకాన్ని కలుపుటకు కర్రను వాడండి. 5. చర్మానికి అంటుకొనకుండ ఉండటానికి చేతి తొడుగులను ధరించండి. 6. అంతేకాకుండా పీల్చడంగాని మరియు కళ్ళలో పడకుండా చూచుకోండి. 7. రక్షణనిచ్చు దుస్తులు, మూతిముసుగు, కళ్ళద్దాలు, బూట్లు ధరించవలెను. స్ప్రే తుంపరలు మీద పడకుండా జాగ్రత్త వహించవలెను. 8. నాజిల్‌ను నోటితో ఊదరాదు. 9. ఈ ఉత్పాదనను కలుపుతున్నప్పుడు పిచికారి చేస్తున్నప్పుడు. తినడం, త్రాగడం, నములడం లేక పొగత్రాగడం చేయరాదు. 10. మిగిలిపోయిన పదార్థమును నిల్వయుంచరాదు. వాడిన తరువాత స్ప్రేయర్లను, బకెట్లను మరియు ఇతర సామాన్లను నీటితో శుభ్రం చేసుకోవాలి. 11. చేతులను సబ్బురుద్దుతూ ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపరుచుకోవాలి మరియు స్ప్రే చేసిన వెంటనే దుస్తులను మార్చుకొనవలెను. 12. కలుషితమైన దుస్తులను ఉతకవలెను. 13. మిగిలిపోయిన పిచికారీ ద్రావకాన్ని లేక పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని నదులలో, కొలనులలో పారవేసి కలుషితము చేయరాదు. 14. ఒకవేళ ఏమైనా విషలక్షణాలు కనబడిన యెడల వెంటనే డాక్టరుని సంప్రదించండి.

స్ప్రే ట్యాంక్ శుభ్రపర్చుకోవడం: వాడటం అయిన వెంటనే, ఈ ద్రావకం కలుపుకొనే పాత్రలు, స్ప్రే పరికరాల బయట, లోపల శుభ్రమైన నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఆ తర్వాత ట్యాంక్‌లో నీరు ఫుల్‌గా నింపి బాగా కలియబెట్టి శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఇలా వచ్చిన నీటిని మంచినీరు, నీటివొనరులు, పరిసరాలు కలుషితంకాకుండా కడు జాగ్రత్త వహిస్తూ పారవేసుపోవాలి.

విషలక్షణాలు: సల్ఫెంట్రాజోన్ వలన మనుష్యులలో సంభవించే విషలక్షణాలేవీ కానరాలేదు.

ప్రథమచికిత్స: ఒకవేళ మ్రింగినట్లయితే: ఒకవేళ విషపూరితమైన వ్యక్తి స్పృహలోనూ మరియు చురుకుగా వున్నట్లయితే, నీటితో నోరు బాగా పుక్కిలించేలా చేసి 1 లేదా 2 గ్లాసుల నీరు త్రాగించాలి. స్పృహలోలేని వ్యక్తికి నోటిద్వారా ఏదీ ఇవ్వరాదన్న విషయం గుర్తుంచుకోవాలి. డాక్టర్‌గార్ని వెంటనే పిలవాలి. వీరిని పర్యవేక్షించే డాక్టర్‌గారి అనుమతి లేకుండా, రోగిని వాంతి చేయించుటకు ప్రేరేపించరాదు. ఒకవేళ పీల్చినట్లయితే: రోగిని వెంటనే ఆరుబయటకు తరలించాలి మరియు తన బాడీ టెంపరేచర్ పెరగకుండా చూస్తూవుండాలి. ఒకవేళ రోగి శ్వాస పీల్చలేని స్థితిలోనున్నా లేదా పీల్చడంలో ఇబ్బందిగావున్నా తనకు కృత్రిమ శ్వాస కల్పించాలి. అందుకోసం తన నోటిలో వేరే వారు నోరుపెట్టి శ్వాస కల్పించాలి.వెంటనే డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించడం మంచిది. ఒకవేళ చర్మానికి అంటినట్లయితే: కలుషితమైన శరీరభాగాలనే గాక, జుట్టు మరియు గోళ్ల క్రింద కూడా సబ్బు వాడుతూ శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దురు, దురదలున్నా మరి నొప్పివున్నా డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి. కలుషితమైన బట్టలను వెంటనే తీసివేసి, వాటిని వేరుగా ఉతికించి, ఆరబెట్టిన పిదపే తిరిగి వాడాలి. ఒకవేళ కళ్ళలో పడినట్లయితే: కనీసం 15 నిమిషాల వరకూ కళ్ళలో నీరెక్కువ కొట్టుకుంటూ జాగ్రత్తగా కళ్ళు కడుక్కోవాలి. శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దురు, దురదలున్నా, నొప్పివున్నా అలాగే వెలుగుచూసి భయపడటం లాంటి లక్షణాలుంటే వెంటనే కళ్ల డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి.

ఔషధ చికిత్స: ఫలానా విరుగుడు అంటూ ఏమీలేదు. విషలక్షణాలనుబట్టి చికిత్స నివ్వాలి.

కలుపునాశనిని నిల్వ చేసే పరిస్థితులు: 1. ఈ కలుపునాశనిగల ప్యాకేజీలను వాటి యొక్క ఒరిజినల్ ప్యాకెట్లలోనే వుంచి యితర పదార్థాలు నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలలో గాకుండా వాటి యొక్క సైజును మరియు పరిమాణాన్నిబట్టి వేరువేరు అలమారాలలో పెట్టి తాళం వేసి బిగించి మాత్రమే నిల్వ చేయాల్సి వుంది. 2. ఈ కలుపునాశనిని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు గట్టి కట్టడముల్లై, మంచి గాలీ, వెలుతురు ప్రసరించేలా విశాలంగా వుండి తీరాలి. తద్వారా దీని ఆవిరివలన పరిసరాలు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకోవచ్చు.

ఖాళీ డబ్బాలు లేదా ప్యాకేజీలు, మిగిలిపోయిన మందు, పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని పారవేయు విధానము: 1. ఖాళీ ప్యాకేజీలు, మిగిలిపోయిన మందు, పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీరు మొదలగు వాటిని పారవేయుటలో దీని తయారీదారులు, సూత్రీకరణ సూత్రదారులు మరియు దీన్ని వాడేవారు పరిసరాలు, నీరు నీటి వొనరులు కలుషితం కాకుండా పారవేయాల్సిన బాధ్యత తీసుకోవలసి వుంది. 2. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏవిధంగానూ వాడరాదు గనుక వాటిని అలా బయట పారవేయరాదు. 3. ఖాళీ డబ్బాలను పగులకొట్టి మనుష్యసంచారానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి.

హెచ్చరిక: ఈ ఉత్పాదన ఉపరితల నీటిని కలుషితం చేయవచ్చు, మరియు నేల ద్వారా భూగర్భ జలాలలోకి ప్రవేశించవచ్చు.

మార్కెట్ మరియు తయారు చేయువారు: ఎఫ్ ఎమ్ సి ఇండియా ప్రైవేట్ లిమిటెడ్, టిసిజి ఫైనాన్షియల్ సెంటర్, 2వ అంతస్తు, సి–53, బాంద్ర కుర్ల కాంప్లెక్స్, బాంద్ర (తూర్పు) బాంద్ర సబర్బన్, ముంబాయి – 400098, మహారాష్ట్ర, ఇండియా. ఫ్యాక్టరీ: ఎస్.సం. 216/1–216/2, విలేజ్‌మరియు మండలం: చంద్రపూర్, జిల్లా : హాలోల్, డిస్ట్రిక్: పంచ్‌మహల్–389350, గుజరాత్.

INSTRUCTIONS FOR USE

FMC

AUTHORITY®

Sulfentrazone 39.6% w/w SC
Herbicide
(For indiginous manufacture and use)

अथॉरिटी®

सल्फेन्ट्राजोन ३९.६% भार/भार एस सी
खरपतवारनाशक
(स्वदेशी उत्पादन और उपयोग के लिए)

ઓથોરિટી®

સલ્ફેન્ટ્રેઝોન ૩૯.૬% વ/વ એસસી
નીંદણનાશક
(સ્વદેશી ઉત્પાદકો અને વપરાશ માટે)

Authority® is registered trademark of FMC Corporation or an affiliate

Manufactured and Marketed by :
FMC India Private Limited,
TCG Financial Centre, 2nd Floor, C-53,
Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Bandra Suburban,
Mumbai – 400098, Maharashtra, India.
Factory : Survey No. 216/1 & 216/2,
Village and Post : Chandrapura, Tal. Halol , Dist.
Panchmahal- 389 350, Gujarat.

निर्माता एवं विपणनकर्ता:
एफएमसी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड,
टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ री मंजिल, सी-५३,
बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन,
मुंबई - ४०००९८, महाराष्ट्र, भारत.
फैक्टरी : सर्वे नं.२१६/१ और २१६/२, गांव और पोस्ट : चंद्रपुरा,
तालूका- हलोल, डिस्ट. पंचमहल- ३८९३५०, गुजरात.

ઉત્પાદન તથા વચાણકર્તાઃ
એફ એમ સી ઈંડિયા પ્રાઈવેટ લિમિટેડ,
ટીસીજી ફાઈનૅન્શિયલ સેંટર, 2 જા માળે, સી -53,
બાંદ્રા કુર્લા કોમ્પલેક્સ, બાંદ્રા (પૂર્વ), બાંદ્રા સબર્બન,
મુંબઈ - 400098, મહારાષ્ટ્ર, ભારત.
ફૅક્ટરી : સર્વે નં. ૨૧૬/૧ અને ૨૧૬/૨,
ગામ અને પોસ્ટઃ ચંદ્રાપુર, તાલુકો હલોલ ,
જિલ્લોઃ પંચમહાલ- ૩૮૯૩૫૦, ગુજરાત.

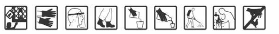Customer Cell ✆: **1800 102 6545** or
✉: **Ask@fmc.com** or
write at *FMC India address.